

नमो नमो निम्मलदंसणस्स
पूज्य आनंद-क्षमा-ललित-सुशील-सुधर्मसागर गुरुभ्यो नमः

On Line – आगममंजूषा

[३२] देविंदत्थओ

* संकलन एवं प्रस्तुतकर्ता *

मुनि दीपरत्नसागर [M.Com., M.Ed., Ph.D.]

॥ किंचित् प्रास्ताविकम् ॥

ये आगम-मंजूषा का संपादन आजसे ७० वर्ष पूर्व अर्थात् वीर संवत् २४६८, विक्रम संवत्-१९९८, ई.स.1942 के दौरान हुआ था, जिनका संपादन पूज्य आगमोद्धारक आचार्यश्री [आनंदसागरसूरिजी](#) म.सा.ने किया था। आज तक उन्ही के प्रस्थापित-मार्ग की रोशनी में सब अपनी-अपनी दिशाएँ ढूँढते आगे बढ़ रहे हैं।

हम ७० साल के बाद आज ई.स.-2012, विक्रम संवत्-२०६८, वीर संवत्-२५३८ में वो ही आगम-मंजूषा को कुछ उपयोगी परिवर्तनों के साथ इंटरनेट के माध्यम से सर्वथा सर्वप्रथम “**OnLine-आगममंजूषा**” नाम से प्रस्तुत कर रहे हैं।

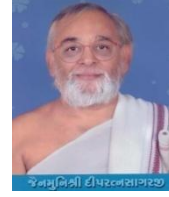
*** मूल आगम-मंजूषा के संपादन की किंचित् भिन्नता का स्वीकार ***

- [१] आवश्यक सूत्र-(आगम-४०) में केवल मूल सूत्र नहीं है, मूल सूत्रों के साथ निर्युक्ति भी सामिल की गई है।
[२] जीतकल्प सूत्र-(आगम-३८) में भी केवल मूल सूत्र नहीं है, मूलसूत्रों के साथ भाष्य भी सामिल किया है।
[३] जीतकल्प सूत्र-(आगम-३८) का वैकल्पिक सूत्र जो “पंचकल्प” है, उनके भाष्य को यहाँ सामिल किया गया है।

[४] “ओघनिर्युक्ति”-(आगम-४१) के वैकल्पिक आगम “पिंडनिर्युक्ति” को यहाँ समाविष्ट तो किया है, लेकिन उनका मुद्रण-स्थान बदल गया है।

[५] “कल्प(बारसा)सूत्र” को भी मूल आगममंजूषा में सामिल किया गया है।

-मुनि दीपरत्नसागर

: Address:- Mnui Deepratnasagar, MangalDeep society, Opp.DholeswarMandir, POST:- THANGADH Dist.surendranagar. Mobile:-9825967397 jainmunideepratnasagar@gmail.com	मुनि दीपरत्नसागर  <small>जैनमुनिश्री दीपरत्नसागर</small>
---	--

तिओ सुविहिएहिं । अणुओगनाणगेज्झो नायव्वो अप्पमत्तेहिं ॥८२॥२०-९२८॥ गणिविजापइण्णं समत्तं ८ ॥ **311/11-22** श्री देवेन्द्रस्तवप्रकीर्णकम्, अमरनरवंदिए वंदिऊण उस-
भाइए जिणवरिंदे । वीरवरअपच्छिमंते तेलुक्कगुरू पणमिऊणं ॥ १ ॥९२९॥ कोई पढमपाउसंमि सावओ समयनिच्छयविहिण्णू । वन्नेइ थयमुयारं जियमाणे वद्धमाणम्मि ॥ २ ॥ तस्स

९२९ देवेन्द्रस्तवप्रकीर्णकं, 311/11-१, २

मुनि दीपरत्तसागर

युर्णतस्स जिणं सोइयकडा पिया सुह्निसन्ना । पंजलिउडा अभिमुहा सुणइ थयं वद्धमाणस्स ॥ ३ ॥ इंदविलयाहिं तिलयरयणंकिए लक्खणंकिए सिरसा । पाए अवगयमाणस्स वंदिमो
 वद्धमाणस्स ॥ ४ ॥ विणयपणएहिं सिढिल्लमउडेहिं अपडिहया जस्स देवेहिं । पाया पसंतरोसस्स वंदिमो वद्धमाणस्स ॥ ५ ॥ बत्तीसं देविंदा जस्स गुणेहिं उवहम्मिया छायां । तो (प्र० नो)
 तस्स त्रियच्छेयं पायच्छायं उवेहामो ॥ ६ ॥ बत्तीसं देविंदत्ति भणियमित्तंमि सा पियं भणइ । अंतरभासं ताहे काहेमो कोउहल्लेणं ॥ ७ ॥ कयरे ते बत्तीसं देविंदा को व कत्थ परिवसइ ।
 केवइया कस्स ठिई को भवणपरिग्गहो तस्स ? ॥ ८ ॥ केवइया व विमाणा भवणा नगरा व हुंति केवइया । पुढवीण व बाहल्लं उच्चत्त विमाण वन्नो वा ? ॥ ९ ॥ का रंति व का लेणा उक्को-
 संमज्झिमंजहण्णाणं । उस्सासो निस्सासो ओही विसओ व को केसिं ? ॥ १० ॥ विणओवयार ओवहम्मियाइ हासवसमुबहंतीए । पडिपुच्छिए पियाए भणइ सुअणु ! तं निसामेहि ॥ १ ॥
 सुअणाणसागराओ मुणिओ पडिपुच्छणाइ जं लद्धं । पुणवागरणावलियं नामावलियाइ इंदाणं ॥ २ ॥ सुण वागरणावलियं रयणं व पणामियं च वीरेहिं । तारावल्लिध धवलं हियएण पस-
 न्निचित्तेणं ॥ ३ ॥ रयणप्पभाइकुडनिकुडवासी सुतणु ! सतेउल्लेसागा । वीसं विकसियनयणा भवणवई ते निसामेह (समदिट्ठी सब्बदेविंदा) ॥ ४ ॥ दो भवणवई इंदा चमरे वइरोअणे य
 असुराणं (चमरिंदबलिंद असुरनिकायं च) । दो नागकुमारिंदा भूयाणंदे य धरणे य ॥ ५ ॥ दो सुयणु ! सुवण्णिंदा वेणुदेवे य वेणुदाली य । दो दीवकुमारिंदा पुण्णे य तथा वसिट्ठे य ॥ ६ ॥
 दो उदहिकुमारिंदा जलकंते जलपभे य नामेणं । अमियगइअमियवाहण दिसाकुमाराण दो इंदा ॥ ७ ॥ दो वाउकुमारिंदा बेलंब पभंजणे य नामेण । दो थणियकुमारिंदा घोसे य तथा
 महाघोसे ॥ ८ ॥ दो विज्जुकुमारिंदा हरिकंत हरिस्सहे य नामेणं । अग्गिसिहअग्गिमाणव हुयासणवईवि दो इंदा ॥ ९ ॥ एए विकसियनयणे ! दस दिसि वियसियजसा मए कहिया ।
 भवणवरसुह्निसन्ने सुण भवणपरिग्गहमिमिसिं ॥ २० ॥ चमरवइरोअणाणं असुरिंदाणं महाणुभागाणं । तेसिं भवणवराणं चउसट्ठिमहे सयसहस्सा ॥ १ ॥ नागकुमारिंदाणं भूयाणंदधरणाण
 दुण्हंपि । तेसिं भवणवराणं चुलसीइमहे सयसहस्से ॥ २ ॥ दो सुयणु ! सुवण्णिंदा वेणुदेवे य वेणुदाली य । तेसिं भवणवराणं बावत्तरिमो सयसहस्सा ॥ ३ ॥ वाउकुमारिंदाणं बेलंबपभंज-
 णाण दुण्हंपि । तेसिं भवणवराणं छन्नवइमहे सयसहस्सा ॥ ४ ॥ चउसट्ठी असुराणं चुलसीई चेव होइ नागाणं । बावत्तरि सुवण्णाणं वाउकुमाराण छन्नउई ॥ ५ ॥ दीवदिसाउदहीणं विज्जु-
 कुमारिंदथणियमग्गीणं । छण्हंपि जुयलयाणं छावत्तरिमो सयसहस्सा ॥ ६ ॥ इक्किक्कम्मि य जुयले नियमा छावत्तरिं सयसहस्सा । सुंदरि ! लीलाइ ठिए ठिईविसेसं निसामेहि ॥ ७ ॥
 चमरस्स सागरोवम सुंदरि ! उक्कोसिया ठिई भणिया । साहीया बोद्धवा बलिस्स वयरोयणिंदस्स ॥ ८ ॥ जे दाहिणाण इंदा चमरं मुत्तूणं सेसया भणिया । पलिओवमं दिवइदं ठिई उ उक्को-
 सिया तेसिं ॥ ९ ॥ जे उत्तरेण इंदा बलिं पमुत्तूण सेसया भणिया । पलिओवमाइं दुण्णि उ देसूणाइं ठिई तेसिं ॥ ३० ॥ एसोवि ठिइविसेसो सुंदरूवे ! विसिट्ठरूवाणं । भोमिजसुरवराणं
 सुण अणुभागो सुनयराणं ॥ १ ॥ जोयणसहस्समेगं ओगाहित्तूण भवणनगराइं । रयणप्पभाइ सब्बे इक्कारस जोयणसहस्से ॥ २ ॥ अंतो चउरंसा खलु अहियमणोहरसहावरमणिज्जा । बा-
 हिरओऽविय वट्ठा निम्मलवइरामया सब्बे ॥ ३ ॥ उक्किंभंतरफलिहा अब्भिंतरओ उ भवणवासीणं । भवणनगरा विरायंति कणगसुसिलिट्ठपांगारा ॥ ४ ॥ वरपउमकणियामंडियाहिं हिट्ठा
 सहावल्लेहिं । सोहिंति पइट्ठाणेहिं विविहमणिभत्तिचित्तेहिं ॥ ५ ॥ चंदणपइट्ठिएहि य आसत्तोसत्तमल्लुदामेहिं । दारेहिं पुरवरा ते पडागमालाउरा रम्मा ॥ ६ ॥ अट्ठेव जोयणाइं उच्चिद्धा
 हुंति ते दुवारवरा । धूवघडियाउलाइं कंचणदामोवणद्धाणि ॥ ७ ॥ जहिं देवा भवणवई वरतरुणीगीयवाइयरवेणं । निच्चसुहिया पमुइया गर्यपि कालं न याणंति ॥ ८ ॥ चमरे धरणे तह
 वेणुदेव पुण्णे य होइ जलकंते । अमियगई वेलंबे घोसे य हरी य अग्गिसिहे ॥ ९ ॥ कणगमणिरयणथूभियरम्माइं सवेइयाइं भवणाइं । एएसिं दाहिणओ सेसाणं दाहिणे(उत्तरे)पासे ॥ ४० ॥
 चउतीसा चोयाला अट्ठतीसं च सयसहस्साइं । चत्ता पन्नासा खलु दाहिणओ हुंति भवणाइं ॥ १ ॥ तीसा चत्तालीसा चउतीसं चेव सयसहस्साइं । छत्तीसा छायाला उत्तरओ हुंति
 भवणाइं ॥ २ ॥ भवणविमाणवईणं तायत्तीसा य लोग्गाला य । सब्बेसिं तिभि परिसा समाणचउगुणायरक्खा उ ॥ ३ ॥ चउसट्ठी सट्ठी खलु छच्च सहस्सा तहेव चत्तारि । भवणवइवाणमं-
 तरजोइसियाणं च सामाणा ॥ ४ ॥ पंचग्गमहिसीओ चमरबल्लीणं हवंति नायवा । सेसयभवणिंदाणं छच्चेव य अग्गमहिसीओ ॥ ५ ॥ दो चेव जंबुदीवे चत्तारि य माणुसुत्तरे सेले । छव्वारुणे
 समुहे अट्ठ य अरुणम्मि दीवम्मि ॥ ६ ॥ जंनामए समुहे दीवे वा जंमि हुंति आवासा । तन्नामए समुहे दीवे वा तेसिं उप्पाया ॥ ७ ॥ असुराणं नागाणं उदहिकुमाराण हुंति आवासा ।
 वरुणवरे दीवम्मि य तत्थेव य तेसिं उप्पाया ॥ ८ ॥ दीवदिसाअग्गीणं थणियकुमाराण हुंति आवासा । अरुणवरे दीवम्मि य तत्थेव य तेसिं उप्पाया ॥ ९ ॥ वाउसुवण्णिंदाणं एएसिं
 माणुसुत्तरे सेले । हरिणो हरिप्पहस्स य विज्जुप्पभमालवंतेसु ॥ ५० ॥ एएसिं देवाणं बलवीरियपरक्कमो य जो जस्स । ते सुंदरि ! वण्णेऽहं अहक्कमं आणुपुवीए ॥ १ ॥ जाव य जंबुदीवो
 जाव य चमरस्स चमरचंचा उ । असुरेहिं असुरकण्णाहिं तस्स विसओ भरेउं जे ॥ २ ॥ तं चेव समइरेगं बलिस्स वइरोयणस्स बोद्धवं । असुरेहिं असुरकण्णाहिं तस्स० ॥ ३ ॥ धरणोवि

नागराया जंबुदीवं फडाइ छाइजा । तं चेव समइरेगं भूयाणंदे य बोद्धवं ॥४॥ गरुलोऽवि वेणुदेवो जंबुदीवं छइज्ज पक्खेणं । तं चेव समइरेगं वेणुदालिम्मि बोद्धवं ॥५॥ पुण्णोवि जंबुदीवं पाणित-
 लेणं छइज्ज इक्केणं । तं चेव समइरेगं हवइ वसिट्ठेवि बोद्धवं ॥६॥ इक्काइ जलुम्मीए जंबुदीवं भरिज्ज जलकंतो । तं चेव समइरेगं जलप्पभे होइ बोद्धवं ॥७॥ अमियगइस्सवि विसओ जंबुदीवं तु पा-
 यपर्णीए । कंपिज्ज निरवसेसं इयरो पुण तं समइरेगं ॥८॥ इक्काइ वायुगुंजाइ जंबुदीवं भरिज्ज वेल्बो । तं चेव समइरेगं पभंजणे होइ बोद्धवं ॥९॥ घोसोऽवि जंबुदीवं सुंदरि ! इक्केण थणियसहेणं ।
 बहिरीकरिज्ज सब्बं इयरो पुण तं समइरेगं ॥६०॥ इक्काइ विज्जुयाए जंबुदीवं हरी पकासिजा । तं चेव समइरेगं हरिस्सहे होइ बोद्धवं ॥१॥ इक्काइ अग्गिजालाइ जंबुदीवं डहिज्ज अग्गिसिहो । तं
 चेव समइरेगं माणवए होइ बोद्धवं ॥२॥ तिरियं तु असंखिजा दीवसमुहा सएहिं रूवेहिं । अवगाढा उ करिजा सुंदरि ! एएसिं एगयरो ॥३॥ पभू अन्नयरो इंदो जंबुदीवं तु वामहत्थेण । छत्तं जहा
 धरिजा अन्नयओ मंदरं धित्तुं ॥४॥ जंबुदीवं काऊण छत्तयं मंदरं व से दंडं । पभू अन्नयरो इंदो एसो तेसिं बलविसेसो ॥५॥ एसा भवणवईणं भवणठिई वन्निया समासेणं । सुण वाणमंतराणं
 भवणवईआणुपुत्रीए ॥६॥ पिसाय भूया जक्खा य रक्खसा किन्नरा य किंपुरिसा । महोरगा य गंधवा अट्टविहा वाणमंतरिया ॥७॥ एए उ समासेणं कहिया भे वाणमंतरा देवा । पत्तेयंपिय
 वुच्छं सोलस इंदे महिइठीए ॥८॥ काले य महाकाले सुरूव पडिरूव पुन्नभदे य । अमरवइ माणभदे भीमे य तथा महाभीमे ॥९॥ किन्नरकिंपुरिसे खलु सप्पुरिसे खलु तथा महापुरिसे । अइ-
 काय महाकाए गीयरई चेव गीयजसे ॥१०॥ सन्निहिए सामाणे धाइ विधाए इसी य इसिपाले । इस्सर महिस्सरे या हवइ सुवच्छे विसाले य ॥१॥ हासे हासरईविय सेए य तथा भवे
 महासेए । पयए पययावईविय नेयवा आणुपुत्रीए ॥२॥ उइठमहे तिरियंमि य वसहिं ओविंति वंतरा देवा । भवणा पुण ण्ह रयणप्पभाइ उवरिल्लए कंडे ॥३॥ इक्केक्कम्मि य जुयले नियमा भवणा
 वरा असंखिजा । संखिज्जवित्थडा पुण नवरं एतत्थ नाणत्तं ॥४॥ जंबुदीवसमा खलु उक्कोसेणं भवंति भवणवरा । खुदा खित्तसमाविय विदेहसमया य मज्झिमया ॥५॥ तहिं देवा वंत-
 रिया वरतरुं । निच्चसुहियां ॥६॥ काले सुरूव पुण्णे भीमे तह किन्नरे य सप्पुरिसे । अइकाए गीयरई अट्टेव य हुंति दाहिणओ ॥७॥ मणिकणगरयणथूभियजंबूणयवेइयाइं भवणाइं ।
 एएसिं दाहिणओ सेसाणं उत्तरे पासे ॥८॥ दस वाससहस्साइं ठिई जहन्ना उ वंतरसुराणं । पलिओवमं तु इक्कं ठिई उ उक्कोसिया तेसिं ॥९॥ एसा वंतरियाणं भवणठिई वन्निया समासेणं ।
 सुण जोइसालयाणं आवासविहिं सुरवराणं ॥१०॥ चंदा सूरा तारागणा य नक्खत्त गहगण समत्ता । पंचविहा जोइसिया ठिई वियारी य ते गणिया ॥१॥ अद्धकविट्टगसंठाणसंठिया
 फालियामया रम्मा । जोइसियाण विमाणा तिरियंलोए असंखिजा ॥२॥ धरणियलाउ समाओ सत्तहिं नउएहिं जोयणसएहिं । हिट्टिल्लो होइ तलो सूरो पुण अट्टहिं सएहिं ॥३॥ अट्ट-
 सए आसीए चंदो तह चेव होइ उवरितले । एगं दसुत्तरसयं बाहल्लं जोइसस्स भवे ॥४॥ एगट्टिभाय काऊण जोयणं तस्स भाग छप्पणं । चंदपरिमंडलं खलु अडयाला होइ सूरस्स
 ॥५॥ जहिं देवा जोइसिया वरतरुणीं । निच्चसुहियां ॥६॥ छप्पन्नं खलु भागा विच्छिन्नं चंदमंडलं होइ । अडवीसं च कलाओ बाहल्लं तस्स बोद्धवं ॥७॥ अडयालीसं भागा विच्छिन्नं
 सूरमंडलं होइ । चउवीसं च कलाओ ॥८॥ अद्धजोयणिया उ गहा तस्सद्धं चेव होइ नक्खत्ता । नक्खत्तद्धे तारा तस्सद्धं चेव बाहल्लं ॥९॥ जोयणमद्धं तत्तो गाऊयं पंचधणुसया हुंति ।
 गहनक्खत्तगणाणं ताराविमाणाण विकखंभो ॥१०॥ जो जस्सा विकखंभो तस्सद्धं चेव होइ बाहल्लं । तं तिउणं सविसेसं परीरओ होइ बोद्धवो ॥१॥ सोलस चेव सहस्सा अट्ट य चउरो
 य दुन्नि य सहस्सा । जोइसिआण विमाणा व्हंति देवाभिओगाओ ॥२॥ पुरओ व्हंति सीहा दाहिणओ कुंजरा महाकाया । पच्चत्थिमेण वसहा तुरगा पुण उत्तरे पासे ॥३॥ चंदेहि उ
 सिग्घयरा सूरा सूरहिं तह गहा सिग्घा । नक्खत्ता उ गहेहि य नक्खत्तेहिं तु ताराओ ॥४॥ सब्बप्पगई चंदा तारा पुण हुंति सब्बसिग्घगई । एसो गईविसेसो जोइसियाणं तु देवाणं ॥५॥
 अप्पिडिढयाओ तारा नक्खत्ता खलु तओ महिइडिढयया । नक्खत्तेहिं तु गहा गहेहिं सूरा तओ चंदा ॥६॥ सब्बिंभतरऽभीई मूलो पुण सब्बबाहिरो भमइ । सब्बोवरिं च साई भरणी पुण
 सब्बहिट्टिमया ॥७॥ साहा गहनक्खत्ता मज्झेगा हुंति चंदसूराणं । हिट्टा समं च उप्पिं ताराओ चंदसूराणं ॥८॥ पंचेव धणुसयाइं जहन्नयं अंतरं तु ताराणं । दो चेव गाउआइं निबाघा-
 एण उक्कोसं ॥९॥ दोन्नि सए छाबट्टे जहन्नयं अंतरं तु ताराणं । बारस चेव सहस्सा दो बायाला य उक्कोसा ॥१०॥ एयस्स चंदजोगो सत्तट्ठिं खंडिओ अहोरत्ता । ते हुंति नव मुहुत्ता
 सत्तावीसं कलाओ अ ॥१॥ सयभिसया भरणीओ अहा अस्सेस साइ जिट्टा य । एए छन्नक्खत्ता पन्नरसमुहुत्तसंजोगा ॥२॥ तिन्नेव उत्तराइं पुणबसू रोहिणी विसाहा य । एए छन्न-
 क्वत्ता पणयालमुहुत्तसंजोगा ॥३॥ अवसेसा नक्खत्ता पन्नरसया हुंति तीसइमुहुत्ता । चंदमि एस जोगो नक्खत्ताणं मुणेयवो ॥४॥ अभिई छच्च मुहुत्ते चत्तारि अ केवले अहोरत्ते ।
 सूरेण समं वच्चइ इत्तो सेसाण वुच्छामि ॥५॥ सयभिसया भरणीओ अहा अस्सेस साइ जिट्टा य । वच्चंति छऽहोरत्ते इक्कवीसं मुहुत्ते य ॥६॥ तिन्नेव उत्तराइं पुणबसू रोहिणी य वी-
 साहा । वच्चंति मुहुत्ते तिन्नि चेव वीसं चऽहोरत्ते ॥७॥ अवसेसा नक्खत्ता पण्णरसवि सूरसहगया जंति । बारस चेव मुहुत्ते तेरस य समे अहोरत्ते ॥८॥ दो चंदा दो सूरा नक्खत्ता खलु

हवन्ति छप्पन्ना । छावत्तरं गहसयं जंबुद्वीवे वियारीणं ॥ ९ ॥ इकं च सयसहस्सं तितीसं खलु भवे सहस्साइं । नव य सया पण्णासा तारागणकोडिकोडीणं ॥ ११० ॥ चत्तारि चैव चंदा
 चत्तारि य सूरिया लवणजले (तोए) । बारं नक्खत्तसयं गहाण तिन्नेव बावन्ना ॥ १ ॥ दो चैव सयसहस्सा सत्तट्ठिं खलु भवे सहस्साइं । नव य सया लवणजले तारा० ॥ २ ॥ चउवीसं
 ससिरविणो नक्खत्तसया य तिणिण छत्तीसा । इकं च गहसहस्सं छप्पन्नं धायईसंडे ॥ ३ ॥ अट्टेव सयसहस्सा तिणिण सहस्सा य सत्त य सया उ । धायईसंडे दीवे तारा० ॥ ४ ॥ बायालीसं चंदा बाया-
 लीसं च दिणयरा दित्ता । कालोदहिंमि एए चरंति संबद्धलेसागा ॥ ५ ॥ णक्खत्तमिगसहस्सं एगमेव छावत्तरिं च सयमन्नं । छच्च सया छन्नउआ महग्गहाण तिन्नि य सहस्सा ॥ ६ ॥ अट्टावीसं
 कालोदहिंमि बारस य सयसहस्साइं । नव य सया पन्नासा तारा० ॥ ७ ॥ चोयालं चंदसयं चोयालं चैव सूरियाण सयं । पुक्खरवरम्मि एए चरंति संबद्धलेसाया ॥ ८ ॥ चत्तारिं च सहस्सा बत्तीसं
 चैव हुंति नक्खत्ता । छच्च सया बावत्तर महग्गहा बारस सहस्सा ॥ ९ ॥ छन्नउइ सयसहस्सा चोयालीसं भवे सहस्साइं । चत्तारी य सयाइं तारा० ॥ १२० ॥ बावत्तरिं च चंदा बावत्तरिमेव दिणयरा
 दित्ता । पुक्खरवरदीवइडे चरंति एए पगासिता ॥ १ ॥ तिणिण सया छत्तीसा छच्च सहस्सा महग्गहाणं तु । नक्खत्ताणं तु भवे सोलाणि दुवे सहस्साणि ॥ २ ॥ अडयालीसं लक्खा बावीसं खलु
 भवे सहस्साइं । दो य सय पुक्खरद्वे तारा० ॥ ३ ॥ बत्तीसं चंदसयं बत्तीसं चैव सूरियाण सयं । सयलं मणुस्सलोयं चरंति एए पयासिता ॥ ४ ॥ इक्कारस य सहस्सा छप्पिय सोला महग्ग-
 हसया उ । छच्च सया छन्नउया नक्खत्ता तिणिण य सहस्सा ॥ ५ ॥ अट्टासीई चत्ताइं सयसहस्साइं मणुयलोगम्मि । सत्त य सयामणूणा तारागणकोडिकोडीणं ॥ ६ ॥ एसो तारापिंडो
 सब्बसमासेण मणुयलोगम्मि । बहिया पुण ताराओ जिणेहिं भणिया असंखिजा ॥ ७ ॥ एवइयं तारग्गं जं भणियं मणुयलोगमज्झम्मि । चारं कलंबुयापुप्फसंठियं जोइसं चरइ ॥ ८ ॥ रविस-
 सिगहनक्खत्ता एवइया आहिया मणुयलोए । जेसिं नामागोयं न पागया पन्नवेहिंति ॥ ९ ॥ छावट्ठिं पिडयाइं चंदाइच्चाण मणुयलोगम्मि । दो चंदा दो सूरा य हुंति इक्किक्कए पिडये
 ॥ १३० ॥ छावट्ठिं पिडयाइं नक्खत्ताणं तु मणुयलोगम्मि । छप्पन्नं नक्खत्ता हुंति० ॥ १ ॥ छावट्ठी पिडयाइं महग्गहाणं तु मणुयलोगम्मि । छावत्तरं गहसयं च होइ० ॥ २ ॥ चत्तारि
 य पंतीओ चंदाइच्चाण मणुयलोगम्मि । छावट्ठिं छावट्ठिं होइ इक्किक्कया पंती ॥ ३ ॥ छप्पन्नं पंतीओ नक्खत्ताणं तु मणुयलोगम्मि । छावट्ठिं० ॥ ४ ॥ छावत्तरं गहाणं पंतिसयं होइ मणुय-
 लोगम्मि । छावट्ठिं० ॥ ५ ॥ ते मेरुमाणुसुत्तर पयाहिणावत्तमंडला सब्बे । अणवट्ठिएहिं जोएहिं चंदा सूरा गहगणा य ॥ ६ ॥ नक्खत्ततारयाणं अवट्ठिया मंडला मुणेयवा । तेवि य पयाहि-
 णावत्तमेव मेरुं अणुचरंति ॥ ७ ॥ रयणियरदिणयराणं उड्ढमहे एव संकमो नत्थि । मंडलसंकमणं पुण अब्भितरबाहिरं तिरियं ॥ ८ ॥ रयणियरदिणयराणं नक्खत्ताणं च महग्गहाणं च ।
 चारविसेसेण भवे सुहदुक्खविही मणुस्साणं ॥ ९ ॥ तेसिं पविसंताणं तावक्खित्ते उ वड्ढए नियमा । तेणेव कमेण पुणो परिहायइ निक्खमित्ताणं ॥ १४० ॥ तेसिं कलंबुयापुप्फसंठिया हुंति
 तावखित्तमुहा । अंतो य संकुला बाहिं च वित्थडा चंदसूराणं ॥ १ ॥ केणं वड्ढइ चंदो ? परिहाणी केण होइ चंदस्स ? । कालो वा जुण्हा वा केणऽणुभावेण चंदस्स ? ॥ २ ॥ किण्हं राहु-
 विमाणं निच्चं चंदेण होइ अविरहियं । चउरंगुलमप्पत्तं हिट्ठा चंदस्स तं चरइ ॥ ३ ॥ छावट्ठिं २ दिवसे २ उ सुक्कपक्खस्स । जं परिवड्ढइ चंदो खवेइ तं चैव कालेणं ॥ ४ ॥ पन्नरसइभागेण
 य चंदं पन्नरसमेव चंकमइ । पन्नरसइभागेण य पुणोवि तं चैव पक्कमइ ॥ ५ ॥ एवं वड्ढइ चंदो परिहाणी एव होइ चंदस्स । कालो वा जुण्हा वा तेणय(ऽणु)भावेण चंदस्स ॥ ६ ॥ अंतो
 मणुस्सखेत्ते हवन्ति चारोवगा य उववण्णा । पंचविहा जोइसिया चंदा सूरा गहगणा य ॥ ७ ॥ तेण परं जे सेसा चंदाइच्चागहतारनक्खत्ता । नत्थि गई नवि चारो अवट्ठिया ते मुणेयवा ॥ ८ ॥
 दो चंदा इह दीवे चत्तारि य सागरे लवणतोए । धायइसंडे दीवे बारस चंदा य सूरा य ॥ ९ ॥ एगे जंबुद्वीवे दुगुणा लवणे चउग्गुणा हुंति । कालोयए तिगुणिया ससिसूरा धायईसंडे
 ॥ १५० ॥ धायइसंडप्पभिई उद्विट्ठा तिगुणिया भवे चंदा । आइल्लुचंदसहिया अणंतराणंतरे खित्ते ॥ १ ॥ रिक्खग्गहतारग्गा दीवसमुहाण इच्छसे नाउं । तस्स ससीहि उ गुणियं रिक्खग्ग-
 हतारयग्गं तु ॥ २ ॥ बहिया उ माणुसनगस्स चंदसूराणऽवट्ठिया जोगा । चंदा अभीइजुत्ता सूरा पुण हुंति पुस्सेहिं ॥ ३ ॥ चंदाओ सूरस्स य सूरा ससिणो य अंतरं होइ । पण्णाससहस्साइं
 जोयणाणं अणूणाइं ॥ ४ ॥ सूरस्स य सूरस्स य ससिणो ससिणो य अंतरं होइ । बहिया उ माणुसनगस्स जोअणाणं सयसहस्सं ॥ ५ ॥ सूरंतरिया चंदा चंदंतरिया उ दिणयरा दित्ता ।
 चित्तंतरलेसागा सुहलेसा मंदलेसा य ॥ ६ ॥ अट्टासीयं च गहा अट्टावीसं च हुंति नक्खत्ता । एगससीपरिवारो एत्तो ताराणं वुच्छामि ॥ ७ ॥ छावट्ठि सहस्साइं नव चैव सयाइं पंचसय-
 राइं । एगससीपरिवारो तारागणकोडिकोडीणं ॥ ८ ॥ वाससहस्सं पळिओवमं च सूराण सा ठिई भणिया । पळिओवमं चंदाणं वाससयसहस्समब्भहियं ॥ ९ ॥ पळिओवमं गहाणं नक्ख-
 त्ताणं च जाण पळियदं । पळियचउत्थो भाओ ताराणवि सा ठिई भणिया ॥ १६० ॥ पळिओवमद्वभागो ठिई जहण्णा उ जोइसगणस्स । पळिओवममुक्कोसं वाससयसहस्समब्भहियं
 ॥ १ ॥ भवणवड्ढवाणवंतरजोइसवासी ठिई मए कहिया । कप्पवईवि य वुच्छं बारस इंदे महिइटीए ॥ २ ॥ पढमो सोहम्मवई ईसाणवई उ भन्नए बीओ । तत्तो सणकुमारो हवइ चउत्थो
 उ माहिंदो ॥ ३ ॥ पंचमए पुण बंभो छट्ठो पुण लंतओऽत्थ देविंदो । सत्तमओ महसुक्को अट्टमओ भवे सहस्सारो ॥ ४ ॥ नवमो य आणइंदो दसमो उण पाणउऽत्थ देविंदो । आरण (२३३)

इकारसमो बारसमो अचुए इंदो ॥ ५ ॥ एए बारस इंदा कप्पवई कप्पसामिया भणिया । आणाईसरियं वा तेण परं नत्थि देवाणं ॥ ३ ॥ तेण परं देवगणा सयइच्छियभावणाइ उववन्ना ।
 गेविजेहिं न सक्को उववाओ अन्नलिंणेणं ॥ ७ ॥ जे दंसणवावन्ना लिंगगहणं करंति सामण्णे । तेसिंपिय उववाओ उक्कोसो जाव गेविजा ॥ ८ ॥ इत्थ किर विमाणणं वत्तीसं वणिया
 सयसहस्सा । सोहम्मकप्पवइणो सक्कस्स महाणुभागस्स ॥ ९ ॥ ईसाणकप्पवइणो अट्टावीसं भवे सयसहस्सा । बारस्स सयसहस्सा कप्पम्मि सणंकुमारम्मि ॥ १७० ॥ अट्टेव सयसहस्सा
 माहिंदंमि उ भवंति कप्पम्मि । चत्तारि सयसहस्सा कप्पम्मि उ बंभलोगम्मि ॥ १ ॥ इत्थ किर विमाणणं पन्नासं लंतए सहस्साइं । चत्तारि महासुक्के छच्च सहस्सा सहस्सारे ॥ २ ॥
 आणयपाणयकप्पे चत्तारि सयाऽऽरणचुए तिन्नि । सत्त विमाणसयाइं चउसुवि एएसु कप्पेसु ॥ ३ ॥ एयाइं विमाणाइं कहियाइं जाइं जत्थ कप्पम्मि । कप्पवईणवि सुंदरि ! ठिईविसेसे
 निसामेहि ॥ ४ ॥ दो सागरोवमाइं सक्कस्स ठिई महाणुभागस्स । साहीया ईसाणे सत्तेव सणंकुमारम्मि ॥ ५ ॥ माहिंदे साहियाइं सत्त दस चेव बंभलोगम्मि । चउदस लंतइ कप्पे सत्तरस
 भवे महासुक्के ॥ ६ ॥ कप्पम्मि सहस्सारे अट्टारस सागरोवमाइं ठिई । एगूणा(गुणवीसा)ऽऽणयकप्पे वीसा पुण पाणए कप्पे ॥ ७ ॥ पुण्णा य इक्कवीसा उदहिसनामाण आरणे कप्पे । अह
 अचुयम्मि कप्पे बावीसं सागराण ठिई ॥ ८ ॥ एसा कप्पवईणं कप्पठिई वणिया समासेणं । गेविज्जऽणुत्तराणं सुणऽणुभागं विमाणणं ॥ ९ ॥ तिण्णेव य गेविज्जा हिट्टिल्ला मज्झिमा य
 उवरिल्ला । इक्किक्कपि य तिविहं नव एवं हुंति गेविजा ॥ १८० ॥ सुदंसणा अमोहा य, सुप्पबुद्धा जसोधरा । वच्छा सुवच्छा सुमणा, सोमणसा पियदंसणा ॥ १ ॥ एकारसुत्तरं हेट्टिमए
 सत्तुत्तरं च मज्झिमए । सयमेगं उवरिमए पंचेव अणुत्तरविमाणा ॥ २ ॥ हेट्टिमगेविजाणं तेवीसं सागरोवमाइं ठिई । इक्किक्कमारुहिज्जा अट्टहिं सेसेहिं नमियंगी ! ॥ ३ ॥ विजयं च वेजयंतं
 जयंतमपराजियं च बोद्धब्रं । सब्बट्टिसिद्धनामं होइ चउण्हं तु मज्झिमयं ॥ ४ ॥ पुब्वेण होइ विजयं दाहिणओ होइ वेजयंतं तु । अवरेंणं तु जयंतं अवराइयमुत्तरे पासे ॥ ५ ॥ एएसु विमा-
 णेसु उ तिच्चीसं सागरोवमाइं ठिई । सब्बट्टिसिद्धनामे अजहन्नुक्कोस तिच्चीसा ॥ ६ ॥ हिट्टिल्ला उवरिल्ला दो दो जुयलऽद्धचंदसंठाणा । पडिपुण्णचंदसंठाणसंठिया मज्झिमा चउरो ॥ ७ ॥ गेवि-
 ज्जाऽऽवलिसरिसा गेविजा तिण्णि २ आसन्ना । हुल्लुयसंठाणाइं अणुत्तराइं विमाणाइं ॥ ८ ॥ घणउदहिपइट्टाणा सुरभवणा दोसु हुंति कप्पेसुं । तिसु वाउपइट्टाणा तदुभयसुपइट्टिया तिन्नि
 ॥ ९ ॥ तेण परं उवरिमया आगासंतरपइट्टिया सब्बे । एस पइट्टाणविही उड्ढं लोए विमाणणं ॥ १९० ॥ किण्हा नीला काऊ तेऊलेसा य भवणवंतरिया । जोइससोहम्मीसाण तेउलेसा
 मुणेयव्वा ॥ १ ॥ कप्पे सणंकुमारे माहिंदे चेव बंभलोए य । एएसु पम्हलेसा तेण परं सुक्कलेसा उ ॥ २ ॥ कणगत्तरत्ताभा सुरवसभा दोसु हुंति कप्पेसु । तिसु हुंति पम्हगोरा तेण परं सु-
 क्किला देवा ॥ ३ ॥ भवणवइवाणमंतरजोइसिया हुंति सत्तरयणीया । कप्पवईणऽइ ! सुंदरि ! सुण उच्चत्तं सुरवराणं ॥ ४ ॥ सोहम्मीसाणसुरा उच्चत्ते हुंति सत्तरयणीया । दो दो कप्पा तुल्ला
 दोसुवि परिहायए रयणी ॥ ५ ॥ गेविज्जेसु य देवा रयणीओ दुन्नि हुंति उच्चाओ । रयणी पुण उच्चत्तं अणुत्तरविमाणवासीणं ॥ ६ ॥ कप्पाओ कप्पम्मि उ जस्स ठिई सागरोवमब्भहिया ।
 उस्सेहो तस्स भवे इकारसभागपरिहीणो ॥ ७ ॥ जो अ विमाणुस्सेहो पुढवीणं जं च होइ बाहल्लं । दुण्हंपि तं पमाणं वत्तीसं जोयणसयाइं ॥ ८ ॥ भवणवइवाणमंतरजोइसिया हुंति काय-
 पवियारा । कप्पवईणवि सुंदरि ! वुच्छं पवियारणविही उ ॥ ९ ॥ सोहम्मीसाणेसुं सुरवरा हुंति कायपवियारा । सणंकुमारमाहिंदे फासपवियारया देवा ॥ २०० ॥ बंभे लंतयकप्पे सुरवरा
 हुंति रूवपवियारा । महसुक्कसहस्सारे सइपवियारया देवा ॥ १ ॥ आणयपाणयकप्पे आरण तह अचुए सुकप्पम्मि । देवा मणपवियारा तेण परं चूअपवियारा ॥ २ ॥ गोसीसागुरुकेयइप-
 त्तपुन्नागबउलगंधा य । चंपयकुवलयगंधा तगरेलसुगंधगंधा य ॥ ३ ॥ एसा णं गंधविही उवमाए वणिया समासेणं । दिट्ठीएवि य तिविहा थिरसुकुमारा य फासेणं ॥ ४ ॥ तेवीसं च विमाणा
 चउरासीइं च सयसहस्साइं । सत्ताणउइ सहस्सा उड्ढंलोए विमाणणं ॥ ५ ॥ अउणाणउइ सहस्सा चउरासीइं च सयसहस्साइं । एगूणयं दिवड्ढं सयं च पुप्फावकिण्णाणं ॥ ६ ॥ सत्तेव
 सहस्साइं सयाइं बावत्तराइं अट्ट भवे । आवलियाइ विमाणा सेसा पुप्फावकिण्णाणं ॥ ७ ॥ आवलिआइ विमाणण अंतरं नियमसो असंखिज्जं । संखिज्जमसंखिज्जं भणियं पुप्फावकिण्णाणं
 ॥ ८ ॥ आवलियाइ विमाणा वट्टा तंसा तहेव चउरंसा । पुप्फावकिण्णया पुण अणेगविहरूवसंठाणा ॥ ९ ॥ वट्टं खु वलयगंपिव तंसा सिंघाडयंपिव विमाणा । चउरंसविमाणा पुण अक्खाड-
 यसंठिया भणिया ॥ २१० ॥ पढमं वट्टविमाणं बीयं तंसं तहेव चउरंसं । एगंतरचउरंसं पुणोवि वट्टं पुणो तंसं ॥ १ ॥ वट्टं वट्टस्सुवरिं तंसं तंसस्स उप्परिं होइ । चउरंसे चउरंसं उड्ढं तु
 विमाणसेठीओ ॥ २ ॥ उवलंबयरजूओ सब्बविमाणण हुंति समियाओ । उवरिमचरिमंताओ हिट्टिल्लो जाव चरिमंतो ॥ ३ ॥ पागारपरिक्खत्ता वट्टविमाणा हवंति सब्बेवि । चउरंसवि-
 माणाणं चउदिसिं वेइया भणिया ॥ ४ ॥ जत्तो वट्टविमाणं तत्तो तंसस्स वेइया होइ । पागारो बोद्धबो अवसेसाणं तु णसाणं ॥ ५ ॥ जे पुण वट्टविमाणा एगदुवारा हवंति सब्बेवि । तिन्नि
 य तंसविमाणे चत्तारि य हुंति चउरंसे ॥ ६ ॥ सत्तेव य कोडीओ हवंति बावत्तरिं सयसहस्सा । एसो भवणसमासो भोमिजाणं सुरवराणं ॥ ७ ॥ तिरिओववाइयाणं रम्मा भोम्मनगरा

९३३ देवेन्द्रस्तवप्रकीर्णकं, ७१६ - १५५ - २९८

असंखिजा । ततो संखिजगुणा जोइसियाणं विमाणा उ ॥ ८ ॥ थोवा विमाणवासी भोमिजा वाणमंतरमसंखा । ततो संखिजगुणा जोइसवासी भवे देवा ॥ ९ ॥ पत्तेयविमाणणं देवीणं
 छब्भवे सयसहस्सा । सोहम्मे कप्पम्मि उ ईसाणे हुंति चत्तारि ॥ २२० ॥ पंचेवऽणुत्तराडं अणुत्तरगईहिं जाइं दिट्ठाइं । जत्थ अणुत्तरदेवा भोगसुहमणूवमं पत्ता ॥ १ ॥ जत्थ अणुत्तर गंधा
 तहेव रूवा अणुत्तरा सदा । अच्चित्तपुग्गलाणं रसो अ फासो अ गंधो अ ॥ २ ॥ पप्फोडियकलिकलुसा पप्फोडियकमल्लरेणुसंकासा । वरकुमुममहुकरा इव मुहुमयरं नंदि (दंति) घोट्टंति
 ॥ ३ ॥ वरपउमगम्भगोरा सब्बे ते एगगम्भवसहीआ । गम्भवसहीविमुक्का सुंदरि ! सुक्खं अणुहवंति ॥ ४ ॥ तेत्तीसाए सुंदरि ! वाससहस्सेहिं होइ पुण्णेण । आहाराऽवहि देवाणऽणुत्तरवि-
 माणवासीणं ॥ ५ ॥ सोलसहि सहस्सेहिं पंचेहिं सएहिं होइ पुण्णेहिं । आहारो देवाणं मज्झिममाउं धरिंताणं ॥ ६ ॥ दस वाससहस्साइं जहन्नमाउं धरंति जे देवा । तेसिंपि य आहारो
 चउत्थभत्तेण बोद्धवो ॥ ७ ॥ संवच्छरस्स सुंदरि ! मासाणं अद्धपंचमाणं च । उस्सासो देवाणं अणुत्तरविमाणवासीणं ॥ ८ ॥ अद्धट्टमेहिं राइंदिएहिं अट्टहि य सुतणु ! मांसेहिं । उस्सासो
 देवाणं मज्झिममाउं धरिंताणं ॥ ९ ॥ सत्तण्हं थोवाणं पुण्णाणं पुण्णइंदुसरिसमुहे ! । ऊसासो देवाणं जहन्नमाउं धरिंताणं ॥ २३० ॥ जइ सागरोवमाइं जस्स ठिई तस्स तत्तिएहिं पक्खे-
 हिं । ऊसासो देवाणं वाससहस्सेहिं आहारो ॥ १ ॥ आहारो ऊसासो एसो मे वन्निओ समासेणं । सुहुमंतरायनाहि ! (घणाहि) सुंदरि अचिरेण कालेण ॥ २ ॥ एएसिं देवाणं ओही उ
 विसेसओ उ जो जस्स । तं सुंदरि ! वण्णेऽहं अहक्कमं आणुपुट्टीए ॥ ३ ॥ सोहम्मीसाण पढमं दुच्चं च सणंकुमारमाहिंदा । तच्चं च बंभलंतग सुक्कसहस्सारय चउत्थि ॥ ४ ॥ आणयपाण-
 यकप्पे देवा पासंति पंचमिं पुढविं । तं चेव आरणच्चुय ओहियनाणेण पासंति ॥ ५ ॥ छट्ठिं हिट्ठिममज्झिमगेविजा सत्तमिं च उवरिद्धा । संभिन्नलोगनालिं पासंति अणुत्तरा देवा ॥ ६ ॥
 संखिजजोयणा खलु देवाणं अद्धसागरे ऊणे । तेण परमसंखिजा जहन्नयं पन्नवीसं तु ॥ ७ ॥ तेण परमसंखिजा तिरियं दीवा य सागरा चेव । बहुययरं उवरिमया उट्टं तु सकप्पथूमाइं
 ॥ ८ ॥ नेरइयदेवतिथंकरा य ओहिस्सऽबाहिरा हुंति । पासंति सब्बओ खलु सेसा देसेण पासंति ॥ ९ ॥ ओहिन्नाणे विसओ एसो मे वण्णिओ समासेणं । बाहल्लं उच्चत्तं विमाणवन्नं पुणो
 वुच्छं ॥ २४० ॥ सत्तावीसं जोयणसयाइं पुढवीण ताण (होइ) बाहल्लं । सोहम्मीसाणेसुं रयणविचित्ता य सा पुढवी ॥ १ ॥ तत्थ विमाणा बहुविहा पासायपगइवेइयारम्मा । वेरुलियथूभि-
 यागा रयणामयदामलंकारा ॥ २ ॥ केइत्थऽसियविमाणा अंजणघाउसरिसा सभावेणं । अइयरिट्ठसवण्णा जत्थावासा सुरगणाणं ॥ ३ ॥ केइ य हरियविमाणा मेयगधाऊसरिसा सभावेणं ।
 मोरग्गीवसवण्णा जत्थावासा सुरगणाणं ॥ ४ ॥ दीवसिहसरिसवण्णित्थ केइ जासुमणसूरसरिवन्ना । हिंगुलुयघाउवण्णा जत्थावासा सुरगणाणं ॥ ५ ॥ कोरिंथाउवण्णित्थ केइ फुल्लक-
 णियारसरिसवण्णा य । हाल्लिइभेयवण्णा जत्थावासा सुरगणाणं ॥ ६ ॥ अविउत्तमल्लदामा निम्मलगाया सुगंधनीसासा । सब्बे अवट्टियवया सयंपभा अणिमिसच्छा य ॥ ७ ॥ बावत्तरिक-
 लापंडिया उ देवा हवंति सब्बेऽवि । भवसंकमणे तेसिं पडिवाओ होइ नायवो ॥ ८ ॥ कल्लाणफलविवागा सच्छंदविउट्टियाभरणधारी । आभरणवसणरहिया हवंति साभावियसरीरा ॥ ९ ॥
 वत्तुलसरिसवरूवा देवा इक्कम्मि ठिईविसेसम्मि । पच्चग्गऽहीणमहिमा ओगाहणवण्णपरिमाणा ॥ २५० ॥ किण्हा नीला लोहिय हाल्लिदा सुक्किला विरायंति । पंचसए उविद्धा पासाया तेसु
 कप्पेसु ॥ १ ॥ तत्थासणा बहुविहा सयणिजा मणिभत्तिसयविचित्ता । विरइयवित्थडभूसा रयणामयदामलंकारा ॥ २ ॥ छवीस जोयणसयाइं पुढवीण ताण होइ बाहल्लं । सणंकुमारमहिंद
 रयणविचित्ता य सा पुढवी ॥ ३ ॥ तत्थ य नीला लोहिय हाल्लिदा सुक्किला विरायंति । छच्च सए उट्टिद्धा पासाया तेसु कप्पेसु ॥ ४ ॥ तत्थ विमाणा बहुविहा ॥ ५ ॥ पण्णावीसं जोयण-
 सयाइं पुढवीण होइ बाहल्लं । बंभयलंतयकप्पे रयणविचित्ता य सा पुढवी ॥ ६ ॥ तत्थ विमाणा बहुविहा ॥ ७ ॥ लोहिय हाल्लिदा पुण सुक्किलवण्णा य ते विरायंति । सत्तसए उट्टिद्धा
 पासाया तेसु कप्पेसु ॥ ८ ॥ चउवीसं जोयणयसयाइं पुढवीण होइ बाहल्लं । सुक्के थ सहस्सारे रयणविचित्ता य सा पुढवी ॥ ९ ॥ तत्थ विमाणा बहुविहा ॥ २६० ॥ हाल्लिइभेयवण्णा सु-
 क्किलवण्णा य ते विरायंति । अट्ट य ते उट्टिद्धा पासाया तेसु कप्पेसु ॥ १ ॥ तत्थासणा बहुविहा ॥ २ ॥ तेवीसं जोयणयसयाइं पुढवीण तासिं होइ बाहल्लं । आणयपाणयआरणच्चुए
 विचित्ता उ सा पुढवी ॥ ३ ॥ तत्थ विमाणा बहुविहा ॥ ४ ॥ संखंकसन्निकासा सब्बे दगरयतुसारसरिवण्णा । नव य सए उट्टिद्धा पासाया तेसु कप्पेसु ॥ ५ ॥ बावीसं जोयणयसयाइं पुढवीण
 तासिं होइ बाहल्लं । गेविज्जविमाणेसुं रयणविचित्ता उ सा पुढवी ॥ ६ ॥ तत्थ विमाणा बहुविहा ॥ ७ ॥ संखंकसन्निकासा सब्बे दगरयतुसारसरिवण्णा । दस य सए उट्टिद्धा पासाया तेसु
 रायंति ॥ ८ ॥ एगवीसं जोयणसयाइं पुढवीण तासिं होइ बाहल्लं । पंचसु अणुत्तरेसुं रयणविचित्ता य सा पुढवी ॥ ९ ॥ तत्थ विमाणा बहुविहा ॥ २७० ॥ संखंकसन्निकासा सब्बे दग-
 रयतुसारसरिवण्णा । इक्कारस उट्टिद्धा पासाया ते विरायंति ॥ १ ॥ तत्थासणा बहुविहा सयणिजा मणिभत्तिसयविचित्ता । विरइयवित्थडदू(भू)सा य रयणामयदामलंकारा ॥ २ ॥ सब्बट्टविमाण-
 स्स उ सब्बवरिद्धाउ थूभियंताओ । बारसहिं जोयणेहिं इसिपम्भारा तओ पुढवी ॥ ३ ॥ निम्मलदगरयवण्णा तुसारगोखीरफेणसरिवण्णा । भणिया उ जिणवरेहिं उत्ताणयल्लत्तसंठाणा ॥ ४ ॥

पणयालीसं आयामवित्थडा होइ सयसहस्साइं । तं तिउणं सविसेसं परीरओ होइ बोद्धवो ॥ ५ ॥ एगा जोयणकोडी बायालीसं च सयसहस्साइं । तीसं चैव सहस्सा दो य सया अउण-
 पन्नासा ॥ ६ ॥ खित्तद्धि(डिढ)यविच्छिन्ना अट्टेव य जोयणाणि बाहलं । परिहायमाणि चरिमंते मच्छियपत्ताउ तणुययरी ॥ ७ ॥ संखंकमन्निकासा नामेण सुदंसणा अमोहा य । अ-
 ज्जुणसुवण्णयमई उत्ताणयत्तसंठाणा ॥ ८ ॥ ईसीपव्वभाराए सीयाए जोयणंमि लोगतो । तस्सुवरिमम्मि भाए सोलसमे सिद्धमोगाढे ॥ ९ ॥ कहिं पडिहया सिद्धा ?, कहिं सिद्धा पइ-
 ट्टिया ? । कहिं बोदिं चइत्ताणं, कत्थ गंतूण सिज्झई ? ॥ २८० ॥ अलोए पडिहया सिद्धा, लोयग्गे य पइट्टिया । इहं बोदिं चइत्ताणं, तत्थ गंतूण सिज्झई ॥ १ ॥ जं संठाणं तु इहं भवं चयं-
 तस्स चरमसमयम्मि । आसी य पएसघणं तं संठाणं तहिं तस्स ॥ २ ॥ दीहं वा हस्सं वा जं संठाणं हविज्ज चरमभवे । तत्तो तिभागहीणा सिद्धाणोगाहणा भणिया ॥ ३ ॥ तिन्नि सया
 छासट्टा धणुत्तिभागो य होइ बोद्धवो । एसा खलु सिद्धाणं उक्कोसोगाहणा भणिया ॥ ४ ॥ चत्तारि य रयणीओ रयणि तिभागूणिया य बोद्धवो । एसा खलु सिद्धाणं मज्झिमओगाहणा
 भणिया ॥ ५ ॥ इक्का य होइ रयणी अट्टेव य अंगुलाइं साहीया । एसा खलु सिद्धाणं जहण्णओगाहणा भणिया ॥ ६ ॥ ओगाहणाइ सिद्धा भवत्तिभागेण हुंति परिहीणा । संठाणमणित्थंत्थं
 जरामरणविप्पमुक्काणं ॥ ७ ॥ जत्थ य एगो सिद्धो तत्थ अणंता भवक्खयविमुक्का । अनुन्नसमोगाढा पुट्टा सब्बे अलोगंते ॥ ८ ॥ असरीरा जीवघणा उवउत्ता दंसणे य नाणे य । सागा-
 रमणागारं लक्खणमेयं तु सिद्धाणं ॥ ९ ॥ फुसइ अणंते सिद्धे सब्बपएसेहिं णियमसो सिद्धो । तेवि असंखिज्जगुणा देसपएसेहिं जे पुट्टा ॥ २९० ॥ केवलनाणुवउत्ता जाणंती सब्बभावगु-
 णभावे । पासंति सब्बओ खलु केवलदिट्ठीहउणंताहिं ॥ १ ॥ नाणंमि दंसणम्मि य इत्तो एगयरयम्मि उवउत्ता । सब्बस्स केवलिस्सा जुगवं दो नत्थि उवओगा ॥ २ ॥ सुरगणसुहं समत्तं सब्ब-
 द्धापिंडियं अणंतगुणं । नवि पावइ मुत्तिसुहं णंताहिं वग्गवग्गूहिं ॥ ३ ॥ नवि अत्थि माणुसाणं तं सुक्खं नविय सब्बदेवाणं । जं सिद्धाणं सुक्खं अब्बाबाहं उवगयाणं ॥ ४ ॥ सिद्धस्स सुहो
 रासी सब्बद्धापिंडिओ जइ हविज्जा । णंतगुणवग्गभइओ सब्बागासे न माइज्जा ॥ ५ ॥ जह नाम कोइ मिच्छो नयरगुणे बहुविहे वियाणंतो । न चएइ परिकहेउं उवमाए तहिं असंतीए
 ॥ ६ ॥ इअ सिद्धाणं सुक्खं अणोवमं नत्थि तस्स ओवम्मं । किंचिविसेसेणित्तो सारिक्खमिणं सुणह वुच्छं ॥ ७ ॥ जह सब्बकामगुणियं पुरिसो भोत्तूण भोयणं कोई । तण्हालुहाविमुक्को
 अच्छिज्ज जहा अमियतित्तो ॥ ८ ॥ इय सब्बकालतित्ता अउलं निव्वाणमुवगया सिद्धा । सासयमव्वाबाहं चिट्ठंति सुही सुहं पत्ता ॥ ९ ॥ सिद्धत्ति य बुद्धत्ति य पारगयत्ति य परंपरग-
 यत्ति । उम्मुक्ककम्मकवया अजरा अमरा असंगा य ॥ ३०० ॥ नि(प्र० वु)च्छिन्नसव्वदुक्खा जाइजरामरणबंधणविमुक्का । सासयमव्वाबाहं अणुहवंति सुहं सया कालं ॥ १ ॥ सुरगणइ-
 डिढसमग्गा सब्बद्धापिंडिया अणंतगुणा । नवि पावइ जिणइडिढ णंतेहिवि वग्गवग्गूहिं ॥ २ ॥ भवणवइवाणमंतरजोइसवासी विमाणवासी य । सव्विड्ढीपरियरिया अरहंते वंदया हुंति
 ॥ ३ ॥ भवणवइवाणमंतरजोइसवासी विमाणवासी य । इसिवालियमयमहिया करिंति महिमं जिणवराणं ॥ ४ ॥ इसिवालियस्स भइं सुरवरथयकारयस्स वीरस्स । जेहिं सया थुवंता सब्बे
 इंदा पवरकित्ती ॥ ५ ॥ इसिवा० । तेसिं सुरासुरगुरू सिद्धा सिद्धिं उवणमंतु ॥ ६ ॥ भोमेज्जवणयराणं जोइसियाणं विमाणवासीणं । दइए देवनिकायाण थवो सहस्सं (प्र० समत्तो) अप-
 रिसेसो ॥ ३०७ ॥ २०-१२३५ ॥ देविंदत्थयपइण्णं समत्तं ९ ॥ **अथ श्रीमरणसमाधिप्रकीर्णकम्-तिहुयणसरीरिवंदं सप्प (प्र०संघ) वयणरयणमंगलं नमिउं । समणस्स उत्तमट्टे**